कौशलम्

संत शिरोमणि रविदास
ग्लोबल स्किल्स पार्क

GLOBAL SKILLS PARK
BHOPAL- MADHYA PRADESH

प्रथम संस्करण अंक - 1 17 MARCH 2025

आत्म दीपो भव: के भाव से युवा आगे बढ़ें : मुख्यमंत्री

आकर्षण के प्रमुख बिंदु........

- युवा शक्ति मिशन का शुभारंभ
- उमंग शिक्षा हेल्थ एवं वेलनेस कार्यक्रम की शुरुआत
- मध्यप्रदेश में युवा पोर्टल लॉन्च
- आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के नित नए पायदान
- दो दिवसीय डिज़ाइन थिंकिंग वर्कशॉप का

SCAN IT FOR VIRTUAL TOUR

विश्व युवा दिवस के अवसर पर रवींद्र भवन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने युवा शक्ति मिशन का शुभारंभ किया जहां उन्होने ने युवाओं को मिशन के 7 स्तंभों, संवाद, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, क्षमता संवर्धन, उद्यमिता, रोजगार और सामाजिक पहल के बारे में जानकारी दी। उन्होंने अभिनव भारत के लिए स्वामी विवेकानंद का संदेश मिशन के ध्येय वाक्य आत्म दीपो भव: के रूप में हम सभी को प्रेरणा दे रहा है। हमारी युवा पीढ़ी की क्षमताओं को पहचान कर हमें उन लक्ष्यों को प्राप्त करना है जिसे माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चार श्रेणी के लक्ष्य समूह गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी अर्थात GYAN पर केंद्रित करने का मार्गदर्शन दिया है। हमारे प्रयास

युवा शक्ति मिशन का शुभारंभ

चार श्रेणी का लक्ष्य समूह गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी अर्थात GYAN

गरीबों के कल्याण के प्रतीक बनें युवाओं के सशक्तिकरण का माध्यम बनें, साथ ही ये हमारे अन्नदाता किसानों के उत्थान का समर्थन करने वाले होना चाहिए। हम मध्यप्रदेश के युवाओं के साथ खुले संवाद के अवसरों का सृजन कर रहे हैं। आज युवा विनम्रता और अनुशासन के साथ कौशल विकास के कार्यकलापों से जुड़ रहे हैं। विश्व युवा दिवस के अवसर पर मध्यप्रदेश सरकार ने राजधानी भोपाल में भव्य "युवा संगम" का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रदेश के युवाओं को प्रोत्साहित करना, उनकी क्षमताओं को पहचानना, और राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान को सशक्त बनाना है। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रदेश के युवा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण करके किया। उन्होंने कहा हम युवाओं को आत्म दीपो भव: के भाव से आगे बढ़कर प्रदेश को समृद्ध बनाने का प्रयास करना चाहिए।

युवा शक्ति मिशन शुभंकर का अनावरण

युवा शक्ति मिशन का लोगो युवाओं को स्वयं के लिए प्रकाशवान बनने की प्रेरणा देता है। अपनी जिज्ञासा और रूचियों के बेहतर संयोजन से शिक्षा और कौशल को यदि विद्यार्थी आत्मसात करें तो ऐसी कोई मंजिल नहीं या ऐसा कोई लक्ष्य नहीं जिसे हम युवा प्राप्त नहीं कर सकते। विश्व युवा दिवस के उपलक्ष्य में प्रदेश के युवा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने युवा मिशन के प्रतीक चिन्ह का अनावरण भी किया जो अपने ध्येय वाक्य आत्म दीपो भवः के साथ देश - प्रदेश के युवाओं के उन्नत भविष्य पताका का अगुआ बन गया है।

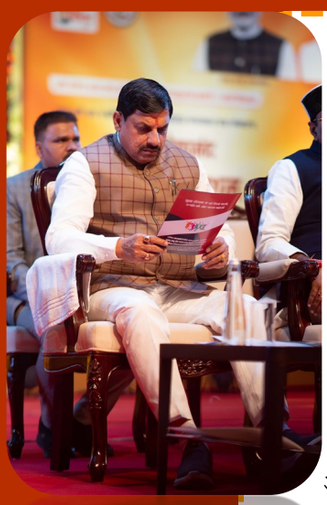

विश्व युवा दिवस - 2025

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने उमंग शिक्षा हेल्थ एवं वेलनेस कार्यक्रम की शुरुआत की, जिसका उद्देश्य युवाओं को स्वस्थ और सेहतमंद माहौल प्रदान करना है। कार्यक्रम के दौरान प्रदेशभर के तकनीकी संस्थानों से आए तकनीक विशेषज्ञों ने विभिन्न विषयों पर युवाओं से संवाद किया। इसी क्रम में प्रदेश के तकनीकी कौशल और दक्षता कौशल के लिए कार्य कर रहे विभिन्न विभागों ने रोजगार— स्वरोजगार और स्टार्टअप्स नवाचार को बढ़ावा देने के लिए विशेष सत्र भी आयोजित किए। प्रमुख उद्योगों और शैक्षणिक संस्थानों ने अपने स्टालों पर आमंत्रित युवाओं को करियर गाइडेंस काउंसलिंग के साथ अपने पाठ्यक्रमों की भी जानकारी प्रदान की। युवा संगम कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले युवाओं को सम्मानित भी किया गया। इसके साथ ही, उन्हें नए अवसरों और योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति मिशन के इस भव्य आयोजन के साथ युवाओं को

युवा संगम का सफल आयोजन

आधुनिक कौशल और पाठ्यचर्या से जोड़ने के लिए युवा पोर्टल भी लॉन्च किया गया। "युवा संगम" नवाचारी योजना है। आमंत्रित संस्थाओं ने अपने प्रेजेंटेशन से कौशल प्रशिक्षण और स्टार्टअप्स की जानकारी दी। नौजवानों के साथ खुला संवाद किया। मिशन थीम सॉन्ग पर थिरकते नौजवानों ने पूरे सभागार को गुंजायमान कर दिया। उल्लेखनीय है कि युवा संगम ने ऐसा मंच प्रदान किया जहां राज्य के नौजवानों ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करने, सतत् विकास में सहयोग देने और अपनी आकांक्षाओं को नई उड़ान देने का की शपथ ली। यह आयोजन प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणादायक और मील का पत्थर साबित हुआ। निजी क्षेत्र की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए ग्लोबल स्किल्स पार्क और ट्राइडेंट कम्पनी ने एक व्यावसायिक **MoU** भी हस्ताक्षर कर आदान-प्रदान किया। कार्यक्रम के दौरान युवा पोर्टल को लॉन्च करने के साथ मुख्यमंत्री महोदय ने उमंग शिक्षा स्वास्थ्य और वेलनेस कार्यक्रम की भी शुरूआत की, इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास सारंग, प्रदेश अध्यक्ष और खजुराहो से सांसद श्री विष्णुदत शर्मा निगम अध्यक्ष श्री किशन सूर्यवंशी, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर के साथ मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन

जीएसपी भोपाल से संबद्ध RISHTA एक सहयोगी मंच है जो तकनीकी शिक्षा को उद्योगों की जरूरत से जोड़कर रोजगार क्षमता को बढ़ाता है।

वोल्वो आयशर प्लांट में जीएसपी के मेकाट्रॉनिक्स छात्रों की इंडस्ट्रियल विजिट।

एसएसआर ग्लोबल स्किल्स पार्क के मेकाट्रॉनिक्स छात्रों ने इंडस्ट्रियल विजिट के अन्तर्गत **वोल्वो आयशर कमर्शियल व्हीकल प्लांट, बगरोदा** का भ्रमण किया। इस विजिट में छात्रों ने कमर्शियल वाहनों की डिजाइन के लिए रिसर्च एण्ड डेव्लपमेंट यूनिट की प्रणाली को करीब से जाना। छात्रों ने आजकल की व्हीकल इन्डस्ट्री में उपयोग हो रही। सभी नई तकनीक जिसमें केड मॉडलिंग एरोमॉडलिंग टेस्टिंग जैसी इनोवेटिव इंजीनियरिंग से जुड़े विषयों पर जानकारी प्राप्त की। मेकाट्रॉनिक्स छात्रों के साथ इन्डस्ट्री एक्सपर्ट भी मौजूद रहे जिन्होने विजिट के दौरान चेचिस बॉडी असेम्बलिंग के साथ ब्रेकिंग और सेफ्टी जैसी उत्पादन प्रणालियों के बारे में व्यावहारिक अनुभव साझा किए। इंडस्ट्री विजिट विद्यार्थियों को इन्डस्ट्री स्टैंडर्ड्स को करीब से समझने का मौका देती है।

नए अवसरों और प्रेरणा की शुरुआत।

ग्लोबल स्किल्स पार्क के 100 छात्रों को मिला स्पॉन्सर्ड ट्रेनिंग का सुनहरा अवसर।

RISHTA इनीशिएटिव - इंडस्ट्री पार्टनरशिप प्रोग्राम की पहल से ग्लोबल स्किल्स पार्क के 100 छात्रों को स्पॉन्सर्ड ट्रेनिंग का सुनहरा अवसर प्राप्त हुआ है। जीएसपी भोपाल के

ग्लोबल स्किल्स पार्क के 100 छात्रों को स्पॉन्सर्ड ट्रेनिंग

साथ ट्राइडेंट ग्रुप के चेयरमैन एमेरिटस श्री राजेन्दर गुप्ताजी से हुए साझा समझौते के अंतर्गत ग्रुप ने सालाना 6 लाख रुपए के पैकेज पर 100 ट्रेनी प्रशिक्षुओं की स्पॉन्सर्ड ट्रेनिंग प्रदान की है, जिसमें संस्थान की 50 लड़कियां भी शामिल हैं। ग्रुप ने एक करोड़ रुपए की स्पॉन्सर्ड फंड की अग्रिम राशि भी संस्थान को उपलब्ध कराई है।

जीएसपी भोपाल एडमिशन पोस्टर का लोकार्पण

संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क में शीतकालीन सत्र में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ है। संस्थान द्वारा प्रवेश प्रक्रिया को सुगम बनाने और अधिक से अधिक आवेदकों के पास सूचना पहुंचाने के लिए व्यापक प्रचार प्रसार भी किया जा रहा है। इसी क्रम में तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास और रोजगार विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल ने जीएसपी भोपाल के एडमिशन पोस्टर को लान्च किया इस अवसर पर संस्थान के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गिरीश शर्मा और डायरेक्टर, एक्सटर्नल रिलेशन श्री नीरज सहाय भी उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश के आत्मनिर्भर पायदान

मध्यप्रदेश ने आत्मनिर्भर होने की राह में कौशल विकास के नित नए पायदानों पर अपनी उपस्थिति दर्ज की है। संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क इस विकास यात्रा का आधार स्तंभ बनकर उभरा है। वहीं तकनीकी शिक्षा से वंचित **22** विकासखंडों को शामिल करते हुए **290** शासकीय आईटीआई प्रदेश में संचालित हैं। वर्तमान में शासन द्वारा आईआईटी दिल्ली के सहयोग से **04** सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, मध्यप्रदेश में स्थापित किए गए हैं। विभाग के साथ आईआईएम इंदौर, **RRU** गांधी नगर गुजरात, NPTI फरीदाबाद और **IIT** रोपड़ जैसे व्यवसायिक संस्थानों द्वारा क्रियान्वयन के लिए योगदान दिया जा रहा है।

ग्लोबल स्किल्स पार्क (GSP) की नई आर्थिक उड़ान

प्रदेश में उद्योगों से सीधा समन्वय स्थापित करते हुए बहुराष्ट्रीय कंपनियों के इंजीनियर और तकनीशियनों को ऑटोमेशन और मेण्टेनेंस का आधुनिक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया है साथ ही सिटी कैम्पस भोपाल में संचालित पाठ्यक्रम एडवांस्ड प्रिसिजन इंजीनियरिंग के छठे और सातवे बैच के प्रशिक्षणार्थियों को शत—प्रतिशत प्लेसमेंट प्राप्त हुआ है।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2025

मानव संसाधन में निवेश के असीमित अवसर

भोपाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 का उद्घाटन किया, जहां उन्होंने मध्यप्रदेश को उद्योगों के लिए एक आदर्श प्रदेश बताया। इस समिट में 60 देशों के कारोबारी और 13 देशों के राजदूत शामिल हुए। मध्यप्रदेश ने अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों का भी ध्यान आकर्षित किया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि एक समय था जब लोग मध्यप्रदेश में निवेश करने से हिचकिचाते थे, लेकिन अब यह देश के अग्रणी औद्योगिक राज्यों में शामिल हो गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य सरकार ने निवेशकों को आकर्षित करने के लिए कई महत्वपूर्ण पहल की हैं। तकनीकी शिक्षा एवं कौशल विकास मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल ने इस अवसर पर कहा, "बढ़ेगा निवेश, संवरेगा प्रदेश। स्थानीय और वैश्विक निवेश से प्रदेश के उद्योग, रोजगार और अर्थव्यवस्था को नया आयाम मिलेगा।" हम चाहते हैं कि डिस्कशन इस बात पर फोकस हो कि कौन सा इन्वेस्टमेंट सरकार को करना चाहिए और कौन सा इन्वेस्टमेंट प्रायवेट इन्डस्ट्री को करना चाहिए।

मानव संसाधन की उपलब्धता के लिहाज से भी बेहतर प्रदेश

तकनीकी उच्च शिक्षा एवं आयुष विभाग के मंत्री श्री इंदर सिंह परमार ने कहा कि मध्यप्रदेश के संस्थान उद्योगों को इंडस्ट्री-रेडी वर्कफोर्स देने में सक्षम हैं, युवाओं और महिलाओं के लिए आधुनिक तकनीकी, उद्यमिता और व्यावसायिक कौशल पर केंद्रित पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश के मुख्यमंत्री महोदय के समक्ष, एक निजी औद्योगिक प्रतिष्ठान ट्राइडेन्ट ग्रुप ने ग्लोबल स्किल्स पार्क में निवेश करने की सहमति प्रदान करते हुए ट्रेनिंग डिलिवरी, ट्रेनिंग कन्टेंट की उपलब्धता और टेक्निकल पैडागॉजी को विकसित करने के लिए सहभागिता बढ़ाने की बात की और आगे आकर एमओयू पर हस्ताक्षर भी किए हैं। इस एमओयू के अन्तर्गत प्रतिष्ठान ने **100** बच्चों के प्रशिक्षण एवं नियोजन के लिए निवेश किया है।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 से ग्लोबल स्किल्स पार्क (GSP) ने एक मजबूत औद्योगिक निवेश की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। इस अवसर पर उद्योग जगत के दिग्गज समूह जागरण वेलफेयर सोसाइटी और विश्वकर्मा ग्रुप ने ग्लोबल स्किल्स पार्क में 500-500 करोड़ रुपये के साझेदारी MOU पर हस्ताक्षर कर बड़े निवेश समझौते पर सहमति प्रदान की है। ग्लोबल स्किल्स पार्क, कौशल विकास के अपने बहुआयामी प्रयासों से उद्योगों की मांग के मुताबिक मानव संसाधन को शिक्षित और प्रशिक्षित बनाने की दिशा में अग्रसर हो रहा है। निवेशकों की यह साझेदारी राज्य को आर्थिक रूप से समृद्ध और रोजगार के नए अवसरों से भरपूर बनाएगी।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट 2025 से ग्लोबल स्किल्स पार्क (GSP) में एक मजबूत औद्योगिक निवेश

कौशल विकास की नई पहचान : ग्लोबल स्किल्स पार्क

इस समिट के दौरान ग्लोबल स्किल्स पार्क (GSP) ने कौशल विकास के क्षेत्र में बड़ी सफलता हासिल की। 07 निवेशकों के साथ समझौते (MoU) किए गए, जो युवाओं को उच्च गुणवत्ता वाली तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित होंगे। इस अवसर पर सिंगापुर के आईटीईएस (ITEES) के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर श्री लिम बून तिओंग ने कहा, "ग्लोबल स्किल्स पार्क एक अद्वितीय संस्थान है। हम मिलकर काम कर रहे हैं, हमारे कौशल विकास का फ्रेमवर्क तकनीकी संस्थानों को नवीनतम तकनीक प्रदान करने पर आधारित है।"

डिज़ाइन थिंकिंग की प्रक्रिया नए समाधान खोजने, सोचने में मदद करती हैं - गिरीश

नवाचार और रचनात्मकता पर केन्द्रित दो दिवसीय डिज़ाइन थिंकिंग वर्कशॉप का आयोजन

डिज़ाइन थिंकिंग वर्कशॉप, मेंटल एबिलिटी को बूस्ट करने के लिए जरूरी है क्योंकि यह क्रिएटिव, प्रॉब्लम-सॉल्विंग और क्रिटिकल थिंकिंग को बढ़ावा देती है।

प्रैक्टिकल प्रॉब्लम-सॉल्विंग स्किल्स

डिज़ाइन थिंकिंग रियल-वर्ल्ड समस्याओं को हल करने के लिए इनोवेटिव और लॉजिकल अप्रोच भी सिखाती है। इससे व्यक्ति तेजी से नए समाधान खोजने और विभिन्न दृष्टिकोणों से सोचने में सक्षम होता है। ये बात वर्कशॉप का नेतृत्व कर रहे ग्लोबल स्किल्स पार्क के सीईओ, गिरीश शर्मा ने कही। उन्होने बताया कि डिज़ाइन थिंकिंग वर्कशॉप से व्यक्ति की मेंटल एबिलिटी, क्रिएटिविटी, लॉजिकल थिंकिंग और प्रोब्लम-सॉल्विंग स्किल्स बेहतर होती हैं, ये अनिश्चित परिस्थितियों में भी फुर्ती से सोचने और सही निर्णय लेने की क्षमता बढ़ाने में मदद करती हैं।

टीम वर्क और इमोशनल इंटेलिजेंस

इस लाइफ चेन्जिग डिजाइन थिंकिंग वर्कशॉप का आयोजन प्रतिभागी छात्रों को प्रॉब्लम एनालिटिकल स्किल्स सिखाने, क्रिएटिविटी और इनोवेशन के साथ सॉल्विंग स्किल्स को बढ़ावा देने, उनको क्रिटिकल थिंकिंग प्रैक्टिकल में शामिल करने के लिए किया गया है। डिज़ाइन थिंकिंग एक सामूहिक गतिविधि है जो टीम वर्क पर आधारित होती हैं, जिससे व्यक्ति सहयोग, संवाद, और सहानुभूति जैसे जरूरी मानसिक कौशल विकसित कर सकता है। डिसीजन-मेकिंग स्किल्स एक ट्रिगर प्वाइंट पर एक्टिव होती है। इस प्रक्रिया में डाटा-ड्रिवन और लॉजिकल डिसीजन-मेकिंग पर जोर दिया जाता है, जिससे व्यक्ति सही निर्णय लेने की अपनी क्षमता को मजबूत कर सकता है।

इस अवसर पर विषय विशेषज्ञों ने आइडिएशन और ब्रेनस्टॉर्मिंग के जरिए आउट-ऑफ-द-बॉक्स थिंकिंग की प्रक्रिया छात्रों को समझाने का प्रयास किया। ग्लोबल स्किल्स पार्क के निदेशक, नीरज सहाय, (एक्सटर्नल रिलेशन) ने अपने प्रेजेंटेशन के माध्यम से बताया कि डिज़ाइन थिंकिंग प्रक्रिया व्यक्ति को किसी समस्या के गहरे विश्लेषण और सही निर्णय लेने की क्षमता विकसित करने में मदद करती है, व्यक्ति नई और अनोखी आइडियाज को विकसित करने में सक्षम होता है। संस्थान में आमंत्रित डिजिटल लर्निंग फैसिलिटेटर आशीष सूद ने अपने विचार रखते हुए प्रतिभागी विद्यार्थियों को समझाया कि किस तरह

इम्प्रोवाइजेशन और एडाप्टेबिलिटी

इम्प्रोवाइजेशन और एडाप्टेबिलिटी के साथ थिंकिंग डिज़ाइन की बैलेंस प्रोसेस हमें विभिन्न चैलेंज-बेस्ड एक्टिविटीज में सपोर्ट करती हैं। संचार फैसिलिटेटर, सयांति अधिकारी ने गतिविधि के जरिए बताया कि किस तरह टीम वर्क और इमोशनल इंटेलिजेंस हमारी थिंकिंग डिज़ाइन को

क्रिएटिविटी और इनोवेशन को बढ़ावा

डिज़ाइन थिंकिंग वर्कशॉप से व्यक्ति की मेंटल एबिलिटी, क्रिएटिविटी, लॉजिकल थिंकिंग और प्रोब्लम-सॉल्विंग स्किल्स बेहतर होती हैं,

शेप देते हैं। इस कार्यशाला के व्यावहारिक अनुभव ने पाँच-पाँच के समूहों में विभाजित 30 उत्साही छात्रों को टीम प्रेजेंटेशन का अवसर भी प्रदान किया जिसमें उन्होने प्रोटोटाइपिंग और मॉडल निर्माण का चयन कर, उसका प्रभावी उपयोग करना सीखा। इस दौरान प्रतिभागियों को विचारों की स्पष्टता पर फोकस होकर, डिजाइन थिंकिंग की मनोस्थिति में पहुंचाने और उसे

डिसीजन-मेकिंग स्किल्स

अपनाने के लिए प्रेरित किया गया, जिससे उनकी रचनात्मक और विश्लेषणात्मक क्षमताएँ तेज हुई;उनके आत्मविश्वास में बढ़ोत्तरी हुई।

76वें राष्ट्रीय गणतंत्र दिवस का आयोजन

76वें राष्ट्रीय गणतंत्र दिवस के अवसर पर ग्लोबल स्किल्स पार्क के परिसर में सीनियर डायरेक्टर श्री शमीम उद्दीन के द्वारा ध्वजारोहण किया गया। उन्होने ग्लोबल स्किल्स पार्क भोपाल के माध्यम से समस्त छात्रों और संस्थान के अधिकारियों, कर्मचारियों को राष्ट्रीय पर्व पर बधाई दी साथ ही युवाओं को उत्कृष्ट कौशल प्राप्त करने और आत्मनिर्भर

बनने के लिए संस्थान के इस पुनीत कार्य में सहभागी बनने का आह्वान किया। इस दौरान संस्थान के विद्यार्थियों ने आकर्षक सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर संस्थान परिसर को देशभक्ति के रंग से सराबोर कर दिया।

ग्लोबल स्किल्स पार्क, भोपाल इन्डस्ट्री रेडी। जहां ITEES सिंगापुर के सहयोग से उन्नत और प्रोन्नत हाई एक्यूरेसी लैब उपलब्ध हैं।

भाषा बंधु हैकथान—2025

24 जनवरी **2025** को संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क भोपाल में तकनीकी संस्थानों के विद्यार्थियों के साथ भाषाई हस्तक्षेप के अंतर्गत हैकथॉन का एक दिवसीय आयोजन किया गया। मध्यप्रदेश शासन के संरक्षण में माइक्रोसॉफ्ट **ID8NXT** और ग्लोबल स्किल्स पार्क के संयुक्त सहयोग से भाषा संवर्धन और क्षेत्रीय भाषाओं को तकनीकी नवाचार के माध्यम से युवाओं को भाषाबंधु का यह मंच प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार द्वारा हिंदी—अंग्रेजी जैसी भाषाओं के साथ क्षेत्रीय भाषाओं और गोंडी जैसी लोक भाषाओं को मुख्यधारा में लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। मध्यप्रदेश शासन भी लोक भाषाओं से युवाओं को जोड़ने और भाषाई विविधता को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ साझा प्रयास कर रहा है। भाषा बंधु हैकथान **2025** ने युवाओं को एक ऐसा मंच प्रदान किया, जहां वे भाषाई आवश्यकताओं के लिए तकनीकी समाधान प्राप्त कर सकते हैं। यह तकनीकी हस्तक्षेप भारत की विभिन्न भाषाओं पर रचनात्मक तरीकों से काम करने में मदद करता है। तकनीकी शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों को भाषा में सशक्त बनाने की पहल ग्लोबल स्किल्स पार्क में की गई है ताकि वे वैश्विक प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार हो सकें। छात्रों ने बहुभाषीय अनुवाद ऐप्स का उपयोग करना सीखा और डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देने वाले शैक्षणिक उपक्रमों की जानकारी प्राप्त की। भाषा आधारित एआई चैटबॉट और वॉयस रिकग्निशन टूल से कार्य को अनुकूल बनाने के लिए प्रतिभागियों ने तकनीकी विशेषज्ञों, और भाषाविदों से मार्गदर्शन प्राप्त किया और ग्लोबल नेटवर्किंग का भी अवसर हासिल किया।

गोंडी जैसी लोक भाषाओं को सशक्त बनाने, मुख्यधारा में लाने की पहल

बांस मिशन के निदेशक ने किया पार्क का अवलोकन

त्रिपुरा से कौशल विकास में सहयोग के नए रास्ते तलाशने पर जोर - सजाद पी.

ग्लोबल स्किल्स पार्क तकनीकी शिक्षण प्रशिक्षण के लिए एक अव्वल संस्थान बन कर उभर रहा है ये बात त्रिपुरा बांस मिशन के निदेशक, श्री सजाद पी. (आईएएस) ने कही। मिशन के निदेशक महोदय ग्लोबल स्किल्स पार्क की विश्व स्तरीय अधोसंरचना और सुविधाओं का अवलोकन कर रहे थे। उल्लेखनीय है कि एसएसआर जीएसपी पूरे मध्यभारत में अन्तराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करने वाला एक उत्कृष्ट संस्थान है जिसमें अध्ययन के लिए अन्य राज्यों के विद्यार्थी भी रूचि ले रहे हैं। शासन की मंशा है कि प्रदेश में स्थानीय युवाओं के साथ - साथ अन्य राज्यों के विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास के अवसर प्राप्त हों, जिससे देश के अन्तरराज्यीय उद्योग संगठनों में कुशल मानव संसाधन की उपलब्धता सुगम हो सकेगी। भ्रमण के दौरान मिशन के निदेशक महोदय ने बांस मिशन की आवश्यकता और उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए त्रिपुरा से संभावित सहयोग के नए रास्ते खोलने और कौशल विकास में भावी संभावना पर संस्थान के वरिष्ठ अधिकारियों से भी चर्चा की।

अपनी कहानी के हीरो हम खुद बनें - संदीप कोचर

ग्लोबल स्किल्स पार्क के छात्र मोटिवेशनल स्पीकर संदीप कोचर को सुन रहे थे। ब्लूमाइंड्स के संस्थापक और सीईओ संदीप कोचर एक कहानीकार और लेखक के तौर पर युवाओं के बीच देश में अपनी अलग पहचान रखते हैं। संदीप का कहना है कि डर इतना भी बड़ा नहीं होना चाहिए, कि हम डर से अपनी प्रतिभा को ही नजर अंदाज करने लगें। एक छात्र के पब्लिक स्पीकिंग को लेकर सवाल पूछने पर संदीप ने कहा कि यदि हम पोजीविट हैं तो विश्वास रखें कि हमारे साथ भी पोजीटिव ही होगा। संस्थान में जीएसपी टॉक के अन्तर्गत विभिन्न विषयों के प्रेरक सत्र छात्रों और शिक्षकों के लिए आयोजित किए जाते हैं।

जीएसपी टॉक का हुआ आयोजन

संत रविदास जी की 648 वीं जयंती श्रद्धा से मनाई

महान संत रविदास जी की जयंती प्रतिवर्ष 12 फरवरी को पारंपरिक रूप से मनाई जाती है। इस उपलक्ष्य पर भोपाल स्थित संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल

स्किल्स पार्क में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 'काम ही हमारी पहचान बने' ऐसा था संत रविदासजी का चिंतन। यह कहना है, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल जी का, जो कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे । माननीय मंत्री महोदय ने परिसर में स्थापित संत शिरोमणि रविदास जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और परिसर में छात्रावास का उद्घाटन किया। संस्थान ने यूएनवुमन, उद्यम केयर और यूनिसेफ जैसी संस्थाओं के सहयोग से आमंत्रित 350 बालिकाओं के लिए एक विशेष कंप्यूटर प्रशिक्षण आयोजित किया गया। कार्यक्रम में महिला एथलीट आशा मालवीय को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के समापन पर मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गिरीश शर्मा द्वारा कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया। इस दौरान सीनियर डायरेक्टर श्री शमीम उद्दीन, वित्त निदेशक श्रीमती रोमा बाजपेयी, निदेशक व्यावसायिक विकास श्री जी. एन. अग्रवाल, निदेशक, बाह्य संबंध श्री नीरज सहाय भी उपस्थित थे।

ग्लोबल स्किल्स पार्क द्वारा युवा संसद का प्रतिनिधित्व

प्रदेश के साथ — साथ अन्य राज्यों के युवाओं ने भी यहां के शैक्षणिक संस्थानों पर भरोसा जताया है। सोलर टेक्नोलॉजी, ड्रोन तकनीक, इलेक्ट्रिक व्हीकल, फूड टेक्नोलॉजी, ब्लॉकचेन, वर्चुअल रियलिटी और एआई जैसे पाठ्यक्रमों से युवाओं को कौशल और रोजगार प्राप्त हो रहा है। इन प्रयासों का परिणाम है कि **16** दिसम्बर **2024** को आयोजित युवा संसद का प्रतिनिधित्व संत शिरोमणि ग्लोबल स्किल्स पार्क को प्राप्त हुआ है।

हम कुशल हैं तो सक्षम हैं।

GSP के पहले पॉडकास्ट एपिसोड का प्रसारण सम्पन्न

संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क, भोपाल में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर संस्थान के पहले पॉडकास्ट एपिसोड को प्रसारित किया गया, जिसमें संस्थान की वित्त निदेशक श्रीमती रोमा बाजपई ने वरिष्ठ टेक्निकल फैकल्टी श्रीमती आशा नायर से "तकनीकी क्षेत्र में लड़कियों के लिए संभावना और अवसर" विषय एक प्रेरणादायक बातचीत करते हुए जाना कि कैसे महिलाएँ तकनीक और शिक्षा के क्षेत्र में चुनौतियों या बाधाओं को पार कर रही हैं और सफल हो रही हैं।

आप इस प्रसारण को GSP के ऑफिशियल यूट्यूब चैनल पर भी देख सकते हैं।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर ग्लोबल स्किल्स पार्क उद्योगों के आधुनिक आयामों का हिस्सा बनने के लिए महिलाओं को प्रेरित कर रहा है।

आज ही प्रवेश लें।

तकनीकी कौशल विकास के पाठ्यक्रमों से जुड़ें और विकसित भविष्य का हिस्सा बनें।

05 दिवसीय ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर (TOT) सफलतापूर्वक सम्पन्न

ग्लोबल स्किल्स पार्क की शैक्षणिक कार्यकलापो में समय-समय पर अधिकारी और कर्मचारियों की दक्षता संवर्धन की विभिन्न गतिविधियां का संचालन भी किया जाता है। इसी क्रम में आईटीआई प्रशिक्षकों के तकनीकी कौशल को बेहतर बनाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम संस्थान में आयोजित किया गया। इस 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में मध्यप्रदेश के विभिन्न आईटीआई से प्रशिक्षक और कई प्रमुख अधिकारी शामिल हुए।

पर्व से गर्व तक सहेजी झलकियां.....

विद्यार्थी की कलम से....

SSRGSP ANTHEM

कदम बढ़ाऐं हम..... कदम बढ़ाएं हम.....
कदम बढ़ाऐं हम..... कौशल अपनाएं हम।।
ग्लोबल स्किल्स पार्क पुकारे मिलकर गाएं
हम.....
सपनों को देकर अंक भविष्य को पढ़ें।
हौसलें को अंक देकर कौशल को गढ़ें।।

हुनर से रोशन मंजिल होगी कौशल अपनाएं हम।।
हर युवा को राह दिखाऐं, साथ निभाऐं हम।।
कदम बढ़ाऐं हम..... कदम बढ़ाएं हम.....
ग्लोबल स्किल्स पार्क पुकारे मिलकर गाएं हम

परिसर में आशीष बिखेरें संत शिरोमणि रैदास
नींव कंगूरे मिलकर करते कौशल की अरदास।

परिसर में आशीष बिखेरें संत शिरोमणि रैदास
नींव कंगूरे मिलकर करते कौशल की अरदास।
विश्व गुच्छ संग सजे पुष्प हम, की हमने साझेदारी
तकनीक शिक्षा से हो पल्लवित निखरी प्रतिभा सारी

हुनर से रोशन मंजिल होगी, पहचान बनाएं हम।।
हर युवा को राह दिखाऐं, साथ निभाऐं हम।।
कदम बढ़ाऐं हम..... कदम बढ़ाएं हम.....
ग्लोबल स्किल्स पार्क पुकारे मिलकर गाएं हम।।

दक्ष ज्ञान, तकनीक मान से श्रेष्ठ मार्गदर्शन,
नव शैली प्रमाण कराए हमें विश्वदर्शन,
गुरूओं का सानिध्य वरण, भाव हमारा विश्व भरण।
फलित हो रहा भारत का नव जागरण चिंतन।।

हुनर से रोशन हों, कौशल की अलख जगाऐं हम।।
हर युवा को राह दिखाऐं साथ निभाऐं हम।।
कदम बढ़ाऐं हम..... कौशल अपनाएं हम।।
ग्लोबल स्किल्स पार्क पुकारे मिलकर गाएं हम।।

संस्थान गीत (एंथम सांग)
रचनाकार: देव सिंह मालाकार
(एडवांस्ड मेकैनिकल टेक्नोलॉजी)

(संस्थान गीत के लिए आयोजित एक खुली प्रतियोगिता के माध्यम से छात्र के स्वरचित गीत को संस्थान गीत के तौर पर मान्य किया गया है।)

Admission.gsp@mp.gov.in www.globalskillspark.in
9713992665 | 9893346258 | 9981919733 | 0755-2706205
Hazrat Nizamuddin colony Road, Narela Shankari, Bhopal, M.P. (462022)

Scan Me